मैं सिर्फ टाइमिंग पर ध्यान देती हूँ, मेडल्स पर नहीं : प्रीति पाल

नयी दिल्ली। प्रीति पाल, जो पैरालंपिक खेलों में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं, ने अपनी सफलता का राज बताया है। उनका कहना है कि वह सिर्फ़ अपनी टाइमिंग बेहतर करने पर ध्यान देती हैं और मेडल जीतने के बारे में सोचकर खुद पर दबाव नहीं डालतीं।

प्रीति ने 2024 पेरिस पैरालंपिक्स में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे - एक महिलाओं की 100मी रेस में और दूसरा 200मी टी35 रेस इवेंट में।

बुधवार को चल रहे वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में महिलाओं की 100मी टी35/टी37 रेस में गोल्ड मेडल जीतने के बाद यूनीवार्ता से बात करते हुए प्रीति ने कहा- यह वह मुकाबला है जहाँ हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करता है। यहाँ बात मेडल की नहीं, बल्कि टाइमिंग की होती है। यहाँ मुकाबला करने आए सभी एथलीटों ने अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश की है। मुझे तो यह भी लगता है कि मैं ठीक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाई जैसा मैं ट्रेनिंग के दौरान कर रही थी। वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 11 से 13 मार्च तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला जा रहा है, जिसमें आठ देशों के एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। प्रीति ने रेस में गोल्ड मेडल जीतने के लिए 14.46 सेकंड का समय लिया। रूस की मार्गरीटा माताएवा 16.25 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि करीना माचुलस्काया ने 17.38 सेकंड के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। एक पैरा एथलीट के तौर पर उन्हें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उन पर बात करते हुए इस स्प्रिंटर ने कहा कि चोटें एथलीटों के लिए सबसे बड़ी रुकावटों में से एक बनी रहती हैं, खासकर तेज रफ़्तार वाले स्पीड सेशंस के दौरान।

कई दिक्कतें आई हैं, खासकर चोटें। चोटें तो हर एथलीट को लगती हैं। जब हम स्पीड सेशंस शुरू करते हैं, तो चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। रिकवरी बहुत जरूरी हो जाती है। हमारे कोच हमें आइस बाथ (बर्फ़ के पानी में नहाना) दिलवाकर रिकवरी में मदद करते हैं, जिससे बहुत फ़ायदा होता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि चोट-मुक्त रहने से एथलीट ट्रेनिंग, खान-पान और आराम पर बेहतर तरीके से ध्यान दे पाते हैं।

मुकाबले की अपनी तैयारियों के बारे में प्रीति ने बताया कि पिछले एक महीने से ट्रेनिंग के दौरान वह अपनी अब तक की सबसे अच्छी टाइमिंग हासिल कर रही थीं। 25 साल की इस एथलीट ने खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए नेशनल ट्रेनिंग ग्रुप को श्रेय दिया।

प्रीति ने कहा, हमारी तैयारी बहुत अच्छी रही है। नेशनल टीम में हम एक ग्रुप के तौर पर ट्रेनिंग करते हैं और एक-दूसरे से सीखते हैं। हमारे साथ सिमरन शर्मा जैसी एथलीट हैं, जो अर्जुन अवॉर्ड विजेता और पैरालंपिक मेडलिस्ट हैं, और चिराग बरेठा हैं, जो पहले दुनिया में नंबर एक रैंक पर थे। साथ में प्रैक्टिस करने से हम सभी को बेहतर बनने में मदद मिलती है।आगे की ओर देखते हुए, इस पैरा स्प्रिंटर ने कहा कि वह आने वाले इवेंट में और भी दमदार प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। 200मी का इवेंट तीसरे दिन है, और मैं उसमें अच्छा करने की पूरी कोशिश करूंगी। मैं कोई बहाना नहीं बनाना चाहती, मैं बस अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाना चाहती हूं।

फीफा विश्व कप में सहभागिता को लेकर दिए डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर ईरान टीम का पलटवार

नई दिल्ली । ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर पलटवार किया है जिसमें उन्होंने कहा था कि अपनी जान और सुरक्षा के लिए उन्हें फीफा विश्व कप में हिस्सा नहीं लेना चाहिए।

ईरान की फुटबॉल टीम का कहना है कि कोई भी देश उन्हें विश्व कप में हिस्सा लेने से नहीं रोक सकता। विश्व कप फीफा आयोजित करता है, कोई देश नहीं।

ट्रंप ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर पोस्ट किया था, ईरान नेशनल सॉकर टीम का विश्व कप में स्वागत है, लेकिन मुझे सच में नहीं लगता कि उनकी अपनी जान और सेफ्टी के लिए उनका वहां होना सही है। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप।

ईरान की नेशनल सॉकर टीम अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा, कोई भी ईरान को टूर्नामेंट से बाहर नहीं कर सकता। अमेरिका मेजबान है, अगर वह हिस्सा लेने वाली टीमों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता, तो उसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। पोस्ट में लिखा गया है, विश्व कप एक ऐतिहासिक और अंतरराष्ट्रीय इवेंट है। इसकी गवर्निंग बॉडी फीफा है, कोई एक देश नहीं। ईरान की नेशनल टीम, जिसमें ईरान के बहादुर बेटों की ताकत और कई अहम जीतें हैं, इस बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली टीमों में से एक थी।

इंस्टाग्राम पर साझा पोस्ट में आगे लिखा गया है, कोई भी ईरान की राष्ट्रीय टीम को विश्व कप से बाहर नहीं कर सकता; सिर्फ एक देश को बाहर किया जा सकता है, जो मेजबान है, लेकिन इवेंट में हिस्सा लेने वाली टीमों को सुरक्षा देने की काबिलियत नहीं रखता।

ईरान, जिसने पिछले साल एशियन क्वालिफाइंग के तीसरे राउंड में ग्रुप ए में टॉप करके लगातार चौथे विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया था, ईरान को अमेरिका में तीन मैच खेलने हैं।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने बुधवार को कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिले, जिन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया कि ईरान का 2026 विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए स्वागत है। फीफा विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में खेला जाना है।

ईरान के खेल मंत्री अहमद दोन्यामाली ने सरकारी टीवी पर कहा कि अमेरिका और इज़राइल के देश पर एयरस्ट्राइक के बाद ईरान 2026 वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले सकता, क्योंकि इस भ्रष्ट सरकार ने हमारे नेता की हत्या कर दी है और बहुत ज्यादा असुरक्षा पैदा कर दी है, इसलिए हम विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकते। विश्व कप में हिस्सा लेने के हालात नहीं हैं। खेल मंत्री ने कहा, पिछले आठ या नौ महीनों में उन्होंने हमें दो जंगों में घसीटा है। हमारे हजारों लोगों को मारा है और बहुत जुल्म किए हैं। इन हालात में, टूर्नामेंट में शामिल होना नामुमकिन है।

एमएस धोनी के बिना सीएसके अधूरा: इरफान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा है कि आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कल्पना एमएस धोनी के बिना नहीं की जा सकती है, लेकिन धोनी शायद अपना आखिरी सीजन खेलने की तैयारी कर रहे हैं।

जियोहॉटस्टार पर पठान ने कहा, धोनी के बिना सीएसके और आईपीएल की कल्पना करना मुश्किल होगा। उनकी भूमिका अब टीम में सभी को एक साथ लाना होगी। धोनी अब संजू सैमसन और रुतुराज को फ्रैंचाइजी के भविष्य के लीडर के रूप में तैयार करने में मदद करेंगे।

पठान ने कहा कि मुझे पक्का नहीं पता कि वह कितने गेम खेलेंगे, लेकिन ड्रेसिंग रूम में उनकी मौजूदगी से बहुत मदद मिलेगी। संजू को फायदा होगा क्योंकि वह भी नेतृत्व ग्रुप का हिस्सा होंगे। रुतुराज गायकवाड़ लीडर हैं। लेकिन एक ग्रुप के तौर पर, दो या तीन लोगों को भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि वह कुछ अलग करेंगे। उनकी फिटनेस, बैटिंग पोजीशन और क्या वह सभी गेम खेलेंगे, इस बारे में सवाल अभी भी उठेंगे। सीएसके मैनेजमेंट ही इसके बारे में जवाब दे पाएगा। वे निश्चित रूप से अपनी छठी आईपीएल ट्रॉफी उठाकर धोनी को शानदार विदाई देने की कोशिश करेंगे।

पिछले दिनों आईपीएल 2026 में धोनी की भूमिका और मैच की संख्या पर फ्रेंचाइजी के सीईओ कासी विश्वनाथ ने कहा था कि धोनी सभी मैच खेलेंगे, लेकिन उनका रोल टीम मैनेजमेंट तय करेगा।

धोनी लीग की शुरुआत से ही इसमें हमेशा मौजूद रहे हैं और सीएसके की पीली जर्सी की पहचान बन गए हैं। वह अपना 19वां सीजन खेलने के लिए तैयार हैं।

रोहित, विराट की लोकप्रियता का असर बढ़ सकती है वनडे मैचों की संख्या

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम का 2026 में शेड्यूल बेहद व्यस्त है। बीसीसीआई इसे और व्यस्त बनाने पर विचार कर रही है। वनडे विश्व कप 2027 से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के वनडे मैचों की संख्या बढ़ सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कई दूसरे क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई से पूर्व निर्धारित वनडे दौरों में मैचों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया है। अनुरोध करने वाले बोर्ड में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, आयरलैंड और श्रीलंका शामिल हैं। अतिरिक्त वनडे मैच से इन क्रिकेट बोर्डों को आर्थिक फायदा होगा।

वनडे मैचों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध करने की वजह रोहित शर्मा और विराट कोहली हैं। दोनों ही दिग्गज भारतीय बल्लेबाज अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट खेलते हैं। दोनों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी लोकप्रियता है। अगर वनडे मैच ज्यादा होंगे तो रोहित और विराट को ज्यादा खेलने का मौका मिलेगा और इसका फायदा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, आयरलैंड और श्रीलंका जैसे क्रिकेट बोर्ड को होगा। रोहित और विराट की वजह से दर्शकों की क्षमता में वृद्धि होनी है। रोहित और विराट सिर्फ वनडे खेलते हैं। इसलिए भी दर्शक ज्यादा से ज्यादा उन्हें खेलते हुए देखना चाहते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में ही तीन वनडे और 5 टी20 होने हैं, लेकिन इसमें बदलाव भी हो सकता है क्योंकि शर्मा और कोहली अपने लंबे करियर में शायद आखिरी बार इंग्लैंड जाएंगे। शेड्यूल में बदलाव करते हुए दो और वनडे जोड़े जा सकते हैं। हालांकि, इस पर स्थिति फिलहाल साफ नहीं है।

अगस्त में, इंडिया श्रीलंका में दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए तैयार है, जिसमें से एक सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में डे-नाइट मैच हो सकता है। हालांकि, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड, बीसीसीआई के साथ साथ शेड्यूल में व्हाइट-बॉल गेम्स जोड़ने के लिए बातचीत कर रहा है।

बांग्लादेश और यूएई में अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज को लेकर अनिश्चितता के कारण, भारत इस दौरान अतिरिक्त मैच चाह सकता है। आयरलैंड सीरीज के मैच फिलहाल तय नहीं हैं।

पीएसएल से नाम वापस लेंगे मोती, वेल्लालगे को अपने साथ जोड़ सकते हैं लाहौर कलंदर्स

नयी दिल्ली। गुडाकेश मोती पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से अपना नाम वापस ले सकते हैं, उन्हें लाहौर कलंदर्स ने अपने दल में शामिल किया था। भारत से घर वापस लौटने के तुरंत बाद वेस्टइंडीज़ के बाएं हाथ के स्पिनर द्वारा लीग से बाहर होने का निर्णय सामने आया है। 1 मार्च को वेस्टइंडीज के विश्व कप से बाहर होने के बाद पूरी टीम पश्चिम एशिया में एयरस्पेस बंद होने के चलते कोलकाता में फंसी हुई थी।

ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला है कि लाहौर कलंदर्स मोती की जगह उनके जैसा ही विकल्प तलाश चुके हैं और वह श्रीलंकाई स्पिनर दुनित वेल्लालगे को अपने साथ जोड़ सकते हैं। श्रीलंकाई स्पिनर ने विश्व कप में गेंद के साथ अच्छा प्रदर्शन किया था और उन्होंने 7.22 की इकॉनमी से आठ विकेट हासिल किए थे। वेल्लालगे निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाज़ी करने में भी सक्षम हैं।

इस समय ऐसे कोई संकेत नहीं मिले हैं जिससे यह पता चलता हो कि विश्व कप के बाद यात्रा संबंधी अव्यवस्था के चलते पीएसएल में वेस्टइंडीज़ की उपलब्धता प्रभावित होती हो। विश्व कप दल से केवल मोती ही वेस्टइंडीज़ के ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें पीएसएल के लिए साइन किया गया है। दक्षिण अफ़्रीका के खिलाड़ी भी सप्ताहांत तक स्वदेश नहीं लौट पाए थे लेकिन पीएसएल में दक्षिण अफ़्रीका के दल से कोई भी खिलाड़ी नहीं है।

लाहौर कलंदर्स इस समय गतविजेता है और उन्होंने पिछले चार में से तीन ख़िताब अपने नाम किए हैं। इनमें पिछले साल गद्दाफ़ी स्टेडियम में खेला गया रोचक फ़ाइनल भी शामिल है। अगर वेल्लालगे के जुड़ने की पुष्टि हो जाती है तो वह अपने टी20 कप्तान दासुन शनाका के दल में शामिल होंगे, जिन्हें नीलामी में कलंदर्स ने खरीदा था।

पीएसएल 26 मार्च से शुरू होगा जिसमें पहला मुक़ाबला कलंदर्स और नई फ़्रैंचाइज़ी हैदराबाद किंग्समेन के बीच होगा।

न्यूजीलैंड की जगह पीएसएल को प्राथमिकता देंगे ल्यूक रोंची और जैकब ओरम

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम के सहायक कोच ल्यूक रोंची और जैकब ओरम मार्च में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के शेड्यूल से पीएसएल 2026 का शेड्यूल टकराने के बावजूद पीएसएल में कोचिंग करते हुए नजर आएंगे। ल्यूक रोंची न्यूजीलैंड टीम के बल्लेबाजी कोच हैं, जबकि जैकब ओरम टीम गेंदबाजी कोच हैं। दोनों पीएसएल में इस्लामाबाद यूनाइटेड के साथ कोच के तौर पर जुड़े हुए हैं। इस्लामाबाद यूनाइटेड के लिए खेल चुके ल्यूक रोंची टीम के हेड कोच हैं, जबकि रोंची सहायक कोच हैं।

न्यूजीलैंड के परफॉर्मेंस मैनेजर माइक सैंडल ने कहा, ल्यूक और ओरम के पास अपने कोचिंग अनुभव को आगे बढ़ाने और न्यूजीलैंड क्रिकेट के माहौल के बाहर अपनी स्किल को बेहतर बनाने का एक शानदार मौका है। हमारे खिलाड़ियों की तरह, हमारे कोच की भी दुनिया भर में डिमांड है। हमें लगता है कि ल्यूक और जेक को पीएसएल में अपने समय से न सिर्फ निजी फायदा होगा, बल्कि भविष्य में वह न्यूजीलैंड क्रिकेट को और बेहतर तरीके से मदद कर पाएंगे। रोंची और ओरम की गैरमौजूदगी में, वेलिंगटन के कोच जॉनी बैसेट-ग्राहम और न्यूजीलैंड क्रिकेट नेटवर्क कोच ग्रीम एल्ड्रिज दक्षिण अफ्रीका सीरीज के दौरान हेड कोच रॉब वाल्टर की मदद करेंगे। कैंटरबरी के ब्रेंडन डोनकर्स बांग्लादेश दौरे की जिम्मेदारी संभालेंगे।

मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ की जे एन भाया टी-20 प्रतियोगिता 2026 में रोमांचक मुकाबले

भोपाल। मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित जे एन भाया टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 के आज के मुकाबले रोमांचक रहे। पहले मैच में रीवा ने सागर संभाग को 115 रनों से हराया। रीवा ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 223 रन बनाए, जिसमें सागर प्रताप सिंह धामेल ने 63 और आर्यन तिवारी ने 45 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। सागर की टीम 16.4 ओवर में 108 रन पर ऑलआउट हो गई। शानदार प्रदर्शन के लिए सागर प्रताप सिंह धामेल को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

दूसरे मैच में उज्जैन ने चंबल संभाग को 5 विकेट से हराया। चंबल ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 199 रन बनाए। उज्जैन ने 14.2 ओवर में 200 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। रोहित रजावत ने 72 और अंकुर सिंह चौहान ने 47 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। पार्थ साहनी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। तीसरे मैच में शहडोल ने भोपाल को 6 विकेट से हराया। भोपाल ने 20 ओवर में 175 रन बनाए, जबकि शहडोल ने 18.1 ओवर में 176 रन बनाकर जीत दर्ज की। शिवम द्विवेदी और अक्षत द्विवेदी को संयुक्त रूप से मैन ऑफ द मैच पुरस्कार मिला। चौथे मैच में ग्वालियर ने जबलपुर को 5 विकेट से हराया। जबलपुर 144 रन पर ऑलआउट हुई और ग्वालियर ने 10.3 ओवर में लक्ष्य हासिल किया। अमन भदौरिया को मैन ऑफ द मैच चुना गया। पाँचवे मैच में नर्मदापुरम ने इंदौर को 5 विकेट से हराया। इंदौर ने 145 रन बनाए, जबकि नर्मदापुरम ने 16 ओवर में 147 रन बनाकर जीत हासिल की। अखिल निगोटे को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इन मुकाबलों में बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता के परिणाम टीमों के बीच प्रतिस्पर्धा और रोमांच को उजागर कर रहे हैं।

पाकिस्तान ने दूसरे वनडे में बनाये 274

ढाका। पाकिस्तान ने 103 रन की शानदार ओपनिंग साझेदारी के दम पर शुक्रवार को बंगलादेश के खिलाफ दूसरे वनडे में 47.3 ओवर में 274 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बना लिया।

पाकिस्तान 50 ओवर के अंदर ही ऑल आउट हो गया। जिस तरह की शुरुआत उन्हें मिली थी, उसे देखते हुए इस बात पर यकीन करना मुश्किल है। माज सदाकत ने टॉप ऑर्डर में शानदार प्रदर्शन किया। जिस पिच के सीमर्स के लिए मददगार होने की उम्मीद थी, उस पर उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाज़ी से मैच का मिजाज़ ही बदल दिया; उन्होंने बंगलादेश के तेज़ गेंदबाज़ों की तिकड़ी का डटकर सामना किया और सिर्फ़ 31 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। सदाकत ने 46 गेंदों पर 75 रन की पारी में छह चौके और पांच छक्के लगाए। पाकिस्तान ने ओपनिंग में 100 से ज़्यादा रनों की साझेदारी की और उनके पास एक बेहतरीन मंच तैयार था। लेकिन, बीच में कुछ लड़खड़ाहटें भी देखने को मिलीं। पहली मुश्किल तब आई, जब सदाकत आउट हो गए। दूसरी मुश्किल तब आई, जब रिज़वान (44) और आगा सलमान (64) के बीच 109 रनों की एक और साझेदारी हुई। एक विवादित रन-आउट के चलते आगा को पवेलियन लौटना पड़ा, और इसके बाद तो जैसे विकेटों की झड़ी ही लग गई; पाकिस्तान ने अपने आखिरी सात विकेट सिर्फ़ 43 रनों के स्कोर पर ही गंवा दिए।

अगर पहले मैच में तेज गेंदबाज़ों ने पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाया था, तो आज स्पिनर्स - मेहदी और रिशाद - ने यह काम किया। इस जोड़ी ने मिलकर कुल पांच विकेट चटकाए और दो बड़ी साझेदारियों के बाद पाकिस्तान की रन गति पर लगाम कस दी। रिशाद हुसैन ने 56 रन पर तीन विकेट और मेहदी हसन ने 34 रन पर दो विकेट लिए।

स्पेशल खबर स्पेन के नंबर 1 खिलाड़ी ने कैमरून नॉरी को हराकर 16 मैचों की जीत का सिलसिला जारी रखा, टेनिस इतिहास में शामिल हुए राफेल नडाल और जोकोविच के साथ

कार्लोस अल्काराज लगातार पांचवीं बार इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में

इंडियन वेल्स। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने लगातार पांचवीं बार इंडियन वेल्स मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को कैमरून नॉरी के खिलाफ हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की।

इस जीत के साथ, स्पेन के अल्कारेज ने ब्रिटेन के खिलाड़ी से बदला ले लिया, जिसने उन्हें पिछले नवंबर में पेरिस में हराया था। इसके अलावा, 2026 में अपनी जीत का सिलसिला 16 मैचों तक पहुंचा दिया। बढ़ा दिया।

अल्काराज लगातार पांच बार इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में पहुंचने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले राफेल नडाल (2006-13) और नोवाक जोकोविच (2011-16) ये उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

मैच के दौरान अल्काराज और नॉरी ने अपनी रफ्तार बदली, लेकिन स्पेन के खिलाड़ी का पलड़ा भारी रहा। पहला सेट आखिरी चार गेम में तीन बार सर्विस ब्रेक के साथ खत्म हुआ। एटीपी की रिपोर्ट के मुताबिक, नॉरी ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, जिसके बाद अल्काराज ने लगातार चार गेम जीता।

पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी ने बेसलाइन हिटिंग के साथ हल्के ड्रॉप शॉट और शानदार नेट प्ले का मिश्रण दिखाते हुए, एक घंटे 33 मिनट के बाद अपने चौथे मैच पॉइंट को बदलकर आगे बढ़ गए। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, हर बार जब मैं उनके खिलाफ खेलता हूं तो यह मेरे लिए हमेशा बहुत मुश्किल होता है। उनके स्टाइल, उनके भारी टॉपस्पिन फोरहैंड, सुपर हाई के साथ यह थोड़ा कन्फ्यूजिंग है। फिर बैकहैंड, बहुत फ्लैट और बहुत लो है। कभी-कभी उनके खिलाफ खेलना मुश्किल होता है। मुझे सही शॉट ढूंढना पड़ता है। मैंने अच्छा खेला। मैंने आक्रामक खेला। मैं इस लेवल पर खेलकर खुश हूं। अल्काराज ने 2023 और 2024 में इंडियन वेल्स का टाइटल जीता था। दोनों बार उन्होंने फाइनल में मेदवेदेव को हराया था। मेदवेदेव ने डिफेंडिंग चैंपियन जैक ड्रेपर को 6-1, 7-5 से आसानी से हराकर चौथी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। मेदवेदेव अपनी पहली इंडियन वेल्स ट्रॉफी की तलाश में हैं।